134वीं डॉ. अंबेडकर जयंती

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से **डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (DAF)** द्वारा 14 अप्रैल, 2024 को **134वीं** डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गई।

- बी.आर. अंबेडकर ने **स्वतंत्र भारत के** संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदू व्यक्तिगत कानूनों में सुधार लाने के उद्देश्य से **हिंदू कोड बिल** में उनका कम-ज्ञात योगदान, अधिक न्यायसंगत समाज के लिये उनके दृष्टिकोण को समझने में भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

हिंदू कोड बिल क्या था?

- नवगठित सरकार में कानून मंत्री के रूप में, अंबेडकर ने वर्ष **1950 में हिंदू कोड बिल** का मसौदा तैयार करना शुरू किया। यह हिंदू व्यक्तिगत कानूनों में सुधार करने का अंबेडकर का प्रयास था जो **हिंदू कानून को संहिताबद्ध और आधुनिक बनाएगा, जिससे महिलाओं को अधिक अधिकार मिलेंगे।**
  - बिल का मसौदा तैयार करने से पहले, अंबेडकर ने **महत्त्वपूर्ण ग्रंथों और श्लोकों का अनुवाद करने के लिये संस्कृत विद्वानों को नियुक्त किया**, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुधार हिंदू परंपरा में निहित थे।
- इस बिल को कॉन्ग्रेस पार्टी और विपक्ष के भीतर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके कारण नेहरू द्वारा इसके पारित होने में देरी हुई।
- अंबेडकर के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद, नेहरू ने पहल की और चार अलग-अलग बिलों का समर्थन किया, जिनमें हिंदू कोड बिल के समान सामग्री शामिल थी।
  - ये बिल, अर्थात् हिंदू विवाह अधिनियम (1955), हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (1956), हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम (1956), तथा हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम (1956) **अधिनियमित किये गए,** जो हिंदू सुधार के लिये अंबेडकर के दृष्टिकोण को साकार करते थे।

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर

(14 अप्रैल, 1891-06 दिसंबर, 1956)

बाबासाहेब अंबेडकर

भारतीय संविधान के जनक

संक्षिप्त परिचय

- एक समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक और तुलनात्मक धर्मों के विचारक
- **वायसराय की कार्यकारी परिषद (1942)** में श्रम मामलों के जानकार सदस्य
- नए संविधान के लिये **मसौदा समिति के अध्यक्ष**
- भारत के **प्रथम विधि मंत्री**
- मरणोपरांत **भारत रत्न से सम्मानित (1990)**

योगदान

- हिंदुओं के खिलाफ **वर्ष 1927 में महाड़ सत्याग्रह** का नेतृत्व
- **तीनों गोलमेज सम्मेलनों में** भाग लिया
- दलित वर्गों के लिये पृथक् निर्वाचक मंडल के विचार को त्यागने के लिये महात्मा गांधी के साथ **वर्ष 1932 के पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये**

प्रांतीय विधायिकाओं में वंचित वर्गों के लिये आरक्षित सीटों को 71 से बढ़ाकर 147 और केंद्रीय विधानमंडल में 18% **कर दिया गया था।**

- **जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध** (अनुच्छेद **370**)
- **समान नागरिक संहिता** का समर्थन
- अनुच्छेद **32** को **"संविधान की आत्मा और इसके हृदय"** के रूप में संदर्भित किया

त्याग-पत्र और बौद्ध धर्म

- **हिंदू कोड बिल** पर मतभेद के कारण वर्ष **1951** में उन्हें कैबिनेट से त्याग-पत्र देना पड़ा
- बौद्ध धर्म को अपनाया; उनकी मृत्यु को **महापरिनिर्वाण दिवस** के रूप में मनाया जाता है

महत्त्वपूर्ण पत्रिकाएँ

- मूकनायक **(1920)**
- बहिष्कृत भारत **(1927)**
- समता **(1929)**
- जनता **(1930)**

संगठन

- **'बहिष्कृत हितकारिणी सभा'** की स्थापना **(1923)**
- **स्वतंत्र लेबर पार्टी** की स्थापना **(1936)**
- **शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन** की स्थापना **(1942)**

पुस्तकें

- जाति का विनाश **(Annihilation of Caste)**
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स **(Buddha or Karl Marx)**
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बने **(The Untouchable: Who are They and Why They Have Become Untouchables)**
- हिंदू महिलाओं का उदय और पतन **(The Rise and Fall of Hindu Women)**

डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (DAF):

- DAF का गठन बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के संदेश और विचारधाराओं को प्रसारित करने के लिये किया गया था, जिसका लक्ष्य अखिल भारतीय पैमाने पर उनके दृष्टिकोण एवं विचारों को आगे बढ़ाना था।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत 1992 में स्थापित, DAF डॉ. अंबेडकर की विरासत को**संरक्षित एवं प्रचारित करने के लिये समर्पित एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य** करता है।
- **डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक (DANM)** संग्रहालय व्यक्तिगत सामान, तस्वीरों, पत्रों और दस्तावेज़ों के संग्रह के माध्यम से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन, कार्य एवं योगदान को प्रदर्शित करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किस पार्टी की स्थापना डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. पीज़ेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. ऑल इंडिया शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन
3. द इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (B)

?????

प्रश्न. अलग-अलग दृष्टिकोण और रणनीतियों के बावजूद महात्मा गांधी तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दलितों के उत्थान का एक सामान्य लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/134th-dr-ambedkar-jayanti